2017 C-11 Guidance & Counselling

Monday 10/01 Tuesday

A) शैक्षिक दृष्टि से निर्देशन की आवश्यकता

व्यक्ति के विकास से सम्बन्धित समस्त प्रक्रियाओं में शिक्षा का सर्वाधिक महत्व है। यही एक मात्र ऐसी प्रक्रिया है। जिसके माध्यम से व्यक्ति एवं समाज के जीवन में अभूतपूर्व परिवर्तन किये जाने सम्भव हैं। इस प्रक्रिया के द्वारा ही किसी समाज अथवा राष्ट्र के स्वरूप में वांछित परिवर्तन करके उसे प्रगति की दिशा में अग्रसारित किया जा सकता है। जिस समाज का जो भी स्वरूप आज सामने है वह स्वरूप उस समाज के विद्यालयों में प्रदान की गई पूर्व शिक्षा का ही परिणाम है। इसलिए भावी समाज का स्वरूप एवं सर्वोत्कृष्ट बनाना है तो वर्तमान शिक्षा को भी भावी अपेक्षाओं के अनुकूल बनाना चाहिए। परन्तु यह तभी सहचर के रूप में निर्देशन का भी समुचित प्रयोग करें।

i) वैयक्तिक भिन्नता के अनुरूप शिक्षा का विकास — स्वतंत्रता के उपरान्त भारत की जनसंख्या में तीव्र गति से वृद्धि हुई है। जनसंख्या की इस वृद्धि का समाज के प्रायः समस्त क्षेत्रों पर किसी-न-किसी रूप में प्रभाव हुआ है। शिक्षा के क्षेत्र में भी अनेक प्रकार की समस्याओं का उत्पन्न होना, जनसंख्या वृद्धि का ही परिणाम है। निरन्तर बढ़ती हुई जनसंख्या, विद्यालयों में छात्रों की निरन्तर बढ़ती हुई, प्रशिक्षित शिक्षकों का अभाव, छात्र विद्यालयों का असन्तोष आदि समस्याएं इस दृष्टि से उल्लेखनीय हैं कि मनोवैज्ञानिक दृष्टि से यह नितान्त आवश्यक है कि छात्रों की वैयक्तिक भिन्नता के अनुरूप ही शिक्षा की व्यवस्था की जाए।

JANUARY

M	30	2	9	16	23
T	31	3	10	17	24
W		4	11	18	25
T		5	12	19	26
F		6	13	20	27

Scanned with CamScanner

2. छात्र असन्तोष की समस्या के समाधान की आवश्यकता :

वर्तमान विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में छात्र असन्तोष की समस्या एक गम्भीर समस्या के रूप में उभर कर सामने आ रही है। छात्रों की आवश्यकताओं एवं अपेक्षाओं की पूर्ति न होना ही इसका प्रमुख कारण है। वर्तमान एवं सामाजिक [illegible] शिक्षा में [illegible] से यदि छात्रों का विकास [illegible] होता है तो इस प्रकार की समस्या के उत्पन्न होने का प्रश्न नहीं होता है, वे अपनी प्रतिभाओं के अनुसार अपनी चिन्तन शक्ति को यथोचित विकास कर सकें, [illegible] के लिए अवसर देकर विवेक एवं [illegible] से अपनी समस्याओं का स्वयं समाधान करके आगे बढ़ सकें। इस स्थिति में छात्र असन्तोष के उत्पन्न होना स्वाभाविक है। इस समस्या को दूर करने के लिए यह आवश्यक है कि विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में शिक्षकों, छात्रों के [illegible] बनाया जाये। शिक्षा एवं शिक्षण के [illegible] से ही इस समस्या का समाधान किया जा सकता है।

3) अपव्यय एवं अवरोधन की समस्या के समाधान की आवश्यकता :

भारतीय विद्यालयों में अपव्यय एवं अवरोध की समस्या निरन्तर गम्भीर रूप धारण करती जा रही है। इस समस्या के समाधान हेतु भारतीय सरकार द्वारा गठित आयोगों के द्वारा अनेक महत्वपूर्ण सुझाव भी समय-समय पर दिये गये हैं। शैक्षिक स्तर तक शिक्षा प्राप्त करने से पूर्व ही विद्यालय छोड़ देना या भविष्य के शिक्षा प्राप्ति के अवसरों से वंचित हो जाना है। जब कोई छात्र पाठ्य स्तर तक शिक्षा प्राप्त करने से पूर्व ही विद्यालय को छोड़ अनुत्तीर्ण होता रहता है।

Phone/Email/Notes
Notes
DECEMBER

4) आर्थक पाठ्यक्रम का चयन :—
प्रसार के कारण अनेक नवीन विषयों के अतिरिक्त विषयों का समावेश किया गया है एवं उप-विषयों के अध्ययन के लिए पृथक-पृथक प्रकार की रुचि, अभिरुचि एवं योग्यता वाले छात्रों की आवश्यकता होती है।

अभिरुचि, क्षमता, बुद्धि आदि की दृष्टि से उत्पन्न वैयक्तिक विभिन्नता इसका प्रमुख कारण है। पाठ्यक्रम का चयन विद्यार्थी की वैयक्तिक भिन्नता के अनुरूप ही होना चाहिए।

5) शैक्षिक उपलब्धि का वांछित स्तर बनाए रखने की आवश्यकता :— शिक्षालयों में अध्ययन करने वाले छात्र, अपने उपलब्धि स्तर को बनाए रखने अथवा उस स्तर में वृद्धि करने की दृष्टि से भी निर्देशन का लाभ उठा सकता है।

6. शिक्षा के क्षेत्र में निर्देशन का अत्याधिक महत्व है, पाठ्यक्रम के चयन से लेकर सन्तोषप्रद शैक्षिक स्तर को बनाए रखने तक की प्रक्रिया में निर्देशन का सकारात्मक उपयोग किया जा सकता है, यह अत्यन्त दुर्भाग्यपूर्ण है कि देश में निर्देशन सेवा की यथोचित आवश्यकता को अभी तक भी अनुभूत नहीं किया जा सकता है। इस दिशा में तत्काल कदम उठाये जाये और छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ न की जाए।

Phone/Email/Notes

Notes

JARY

2	9	16	23
3	10	17	24
4	11	18	25
5	12	19	26
6	13	20	27

Scanned with CamScanner

(अ) [illegible]

1) [illegible]

Scanned with CamScanner

Professional Role & functions of The Counsellor

काउंसलर वास्तव में क्या करता है। हम यहां आपको एक स्कूल गाइडेंस काउंसलर करियर के बारे में विस्तृत करेंगे। स्कूल गाइडेंस काउंसलर कई प्रकार की सेवाएं प्रदान करते हैं और वे शिक्षा प्रणाली का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन गए हैं वास्तव में वर्तमान में अमेरिका में स्कूलों में काम करने वाले 200,000 मार्गदर्शन से अधिक परामर्शदाता हैं, हालांकि कक्षा में नहीं पढ़ा सकते हैं, स्कूल के मार्गदर्शक काउंसलर छात्रों पर शिक्षकों के रूप में ज्यादा प्रभाव डालते हैं और कभी-2 वे मदद की पेशकश करते हैं जो शिक्षक प्रदान नहीं कर सकते हैं, उच्च विद्यालय और प्राथमिक विद्यालय। यह लेख विशेष रूप से आपके ज्ञान को बढ़ाएगा जो एक स्कूल गाइडेंस काउंसलर, उनके मूल वेतन और नौकरी के विवरण के करियर पर शिक्षित करेगा, स्कूल मार्गदर्शन परामर्शदाता मुख्य रूप से स्कूलों में छात्रों की मदद के लिए मौजूद हैं। सामान्य तौर पर, स्कूल मार्गदर्शन परामर्शदाता छात्रों को स्कूल में और बाद में जीवन में सफल होने के लिए आवश्यक शैक्षणिक और सामाजिक कौशल विकसित करने में मदद करते हैं।

काउंसलर अपनी पढ़ाई की सफलता में। स्कूल मार्ग... निभाते हैं। छात्रों की सामाजिक और भावनात्म... जरूरतों को पूरा करने के अलावा, उन्हें उ... हितों और संभावित करियर विकल्पों का पता...

Scanned with CamScanner

में मदद मिलती है। स्कूल गाइडेंस काउंसलर्स को संदिग्ध अपराधों, दुर्व्यवहार और उपेक्षा की रिपोर्ट करनी चाहिए जब उनके पेशेवर फैसले से उन्हें विश्वास हो जाता है।

Scanned with CamScanner